01 September, 2019

ग्राम मँझरिया में समावेशी विकास की ग्रामीण पहल कार्यक्रम के तहत, फाउंडेशन द्वारा एक स्वास्थ एवं स्वच्छता गोष्ठी एवं मच्छरदानी वितरण का आयोजन किया गया। इसकी प्रेरणा एवं मुख्य आयोजन लखनऊ से आये प्रोफेसर राणा प्रताप सिंह, संतोष कुशवाहा, गुड्डु कुशवाहा एवं अजय पांडेय ने किया।डॉ ए। के पाण्डेय, दुदही,सुदामा कुशवाहा, गौरीश्रीराम एवं श्री मौर्य दुलमआ पट्टी और मुन्ना शाही जी ने भे सभा को संबोधित किया।मुसहर महिलाओं ने गीत गाकर कार्यक्रम की शुरुआत की।

बीमारियों से बचाव के लिए करें मच्छरदानी का प्रयोग

जागरण संवाददाता, दुदही, कुशीनगर : स्वच्छता मिशन की सफलता हमारे जीवन की सुरक्षा है। इसलिए, साफ-सफाई का ध्यान हमें स्वयं करना चाहिए। संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए मच्छरदानी का प्रयोग जरूरी है।

यह बातें रविवार को दुदही विकास खंड के ग्राम पंचायत मंझरिया मुसहर बस्ती के लोगों के बीच समावेशी विकास की ग्रामीण पहल के अंतर्गत मच्छरदानी वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लखनऊ से आए प्रो. राणा प्रताप सिंह ने कही। कहा कि संक्रामक बीमारियों के शिकार अधिकांश गरीब परिवार के लोग होते हैं, क्योंकि उनके पास संसाधन की कमी होती है। दुदही सीएचसी केंद्र के प्रभारी डा. एके पांडेय ने कहा कि संक्रामक बीमारियों के फैलने का कारण अशिक्षा है। कार्यक्रम को विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष दिग्विजय किशोर शाही, सुदामा कुशवाहा, मिश्री सिंह, संतोष कुशवाहा, मुन्ना कुशवाहा आदि ने संबोधित किया। लगभग 100 मुसहर परिवारों में मच्छरदानी का वितरण किया गया। इंद्रदेव कुशवाहा, घनश्याम तिवारी, अशोक, पप्पू आदि मौजूद रहे।

मुसहर महिला को मच्छरदानी देते दुदही सीएचसी प्रभारी डा. एके पांडेय ● जागरण

खुले में बेची जा रही मीट व मछली : सुकरौली बाजार : प्रदेश सरकार जहां अवैध बूचड़खानों को बंद करने का निर्देश दे रखा है वहीं जिम्मेदार इस अभियान को पलीता लगाने में जुटे हैं। क्षेत्र के कई जगहों पर खुलेआम मांस व मछली की बिक्री हो रही है जबकि बिना लाइसेंस के खुले आम मांस व मछली की बिक्री प्रतिबंधित है। इन दुकानदारों द्वारा मांस व मछली की बिक्री करने के बाद अपशिष्ट वैसे ही छोड़ दिया जाता है जिससे दुर्गंध तो आती ही रहती है साथ में इनके द्वारा संक्रामक बीमारियों को खुलेआम निमंत्रण भी दिया जा रहा है। स्थानीय बाजार में तो साप्ताहिक बाजार सहित हाइवे के फोरलेन के सर्विस रोड व नहर के किनारे खुले में ही मांस व मछली की बिक्री की जाती है।

18th August, 2018

One rural center was established at Manjharia (Kushinagar) on 18th August, 2018. Tree plantation were done by the members of PHSS Foundation and resident of Manjharia on 15th August, 2018 in surounded area of village.

10th April, 2018

समावेशी विकास की ग्रामीण पहल योजना के अंतर्गत गांव सजांव, लार, जिला देवरिया में गोष्ठी हुई, जिसमें सैकड़ो लोगो ने भागीदारी की। क्षेत्र के विधायक श्री काली प्रसाद मुख्य अतिथि थे और डा राम स्नेही द्विवेदी ने इस गोष्ठी की अध्यक्षता की। प्रोफेसर राणा प्रताप ने किसानों को जहरीले कृषि रसायनों के खतरे से किसानों को अवगत कराया और किसानों से एकजुट होकर अपनी समस्याओं से संघर्ष करने को कहा। सभी वक्ताओं ने गाँव की ग्रामीण शोध एवं नवाचार केंद्र एवं कहार लाइब्रेरी में सक्रिय योगदान दे अभियान को आगे बढ़ाने की वकालत की।

10th December, 2017

3rd Center under Samaveshi Vikas ki Gramin Pahal Abhiyaan was inaugurated on 10th December, 2017 at Rampur Bakharia, Kurhat (Mau) in collaboration with PAS, PHSS Foundation and Geeta Educational Society, Dasbaari.

मऊ | आज का दिन 1901 में मारकोनी ने पहला वायरलेस संदेश कॉर्नवॉल (ब्रिटेन) से

खेती-बाड़ी के जानकारों से रुबरु हुए अन्नदाता, जाना रासायनिक उर्वरकों का नुकसान

जैविक खाद से मिट्टी होगी उपजाऊ

किसान गोष्ठी

कुरहट | हिन्दुस्तान संवाद

अधिक पैदावार प्राप्त करने के लिए किसान खेतों में रासायनिक उर्वरकों का उपयोग करते हैं। एक फसल में जितना रासायनिक खाद डालेंगे, दूसरी में उतनी ही पैदावार प्राप्त करने के लिए किसानों को सवा गुना खाद डालनी होगी। ऐसे में दिन प्रतिदिन खेतों के मिट्टी की उर्वरा शक्ति का दोहन होता जा रहा है। किसान बंधु जैविक खाद से खेती करके भी बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं और मिट्टी की जान भी बची रहेगी। यह कहना है बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर केंद्रिय विश्वविद्यालय लखनऊ के पर्यावरण विज्ञान के डीन डा. राणा प्रताप सिंह का। वह गीता एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा क्षेत्र के दशबारी स्थित राष्ट्र गौरव अध्ययन केंद्र के सभागार में रविवार की शाम आयोजित किसान संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

मूंगफली शोध संस्थान जूनागढ़ एवं गन्ना शोध संस्थान लखनऊ के पूर्व वैज्ञानिक डा. आरएस द्विवेदी ने कहा कि स्टीविया की खेती गन्ने से ज्यादा फायदेमंद है। इसमें गन्ने से 450 गुना अधिक मिठास है और कीमत उससे दोगुना अधिक मिलेगी। आजमगढ़ के कृषि वैज्ञानिक डा. रुद्र प्रताप सिंह ने केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा जैविक कृषि से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी। कहा कि किसान जानकारी के अभाव में रासायनिक उर्वरकों का सर्वाधिक प्रयोग कर मिट्टी के उपजाऊ तत्वों को नष्ट कर दे रहे हैं। उन्होंने सरकार द्वारा जारी टोल फ्री नंबर 18001801551 पर किसानों को खेती से संबंधित समस्याओं के निदान के लिए कॉल करने को प्रेरित किया। कहा कि इस किसान कॉल सेंटर पर संपर्क कर फार्मर पोर्टल पर भी रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। इसका फायदा यह होगा कि जब कभी मौसम बदलेगा तो फसलों को बचाने का उपाय किसानों के मोबाइल पर मैसेज के जरिए आ जाएगा। मुहम्मदाबाद गोहना के वन क्षेत्राधिकारी ओमप्रकाश सिंह ने खेतों की मेड़ों पर सागौन व यूकेलिप्टस का पौध लगाकर आय बढ़ाने का आह्वान किया। कहा कि यह पौधे विभाग की नर्सरियों पर प्रति पौध सात रुपये में उपलब्ध हैं। इसके साथ ही उन्होंने छोटे-छोटे रकबों में कई जगह बिखरे खेतों के एकत्रिकरण पर जोर दिया। कहा कि वैज्ञानिकों व सरकार के नुमाइंदों के माध्यम से यह बात ऊपर तक जानी चाहिए, ताकि सरकार कोई योजना बना सके। जैविक विधि से गन्ना, मिर्च, सब्जी आदि की खेती कर अच्छी आय प्राप्त कर रहे क्षेत्र के दर्जन भर किसानों को शाल व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वाले किसानों में रामकिशुन चौहान, रामशब्द यादव, शंकर राम, फूला देवी, विनय कुमार आदि शामिल थे। डाक्टर प्राचार्य राजीव रंजन मिश्र, प्रशिक्षक अरविंद पांडेय, चंद्रधर राय, राजेंद्र राय, ग्राम प्रधान बृज नारायण दूबे व सुनील यादव ने भी किसानों से अपना अनुभव साझा किया। गीतकार राजू राव ने गीत के माध्यम से लोगों के जागरूक किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता सेवानिवृत्त वन दारोगा राजाराम यादव व संचालन विनीत कुमार ने की।

कुरहट में किसान गोष्ठी में जानकारी देते कृषि वैज्ञानिक रुद्र प्रताप सिंह। • हिन्दुस्तान

01st October, 2017

26-27th August, 2016

1. **Village Awareness Programmes & Kishan Gosthis at Kushinagar, Block Dudahi & Padrauna**

(i) There was a public meeting at village Kataura, Block Dudahi, Distt Kushinagar on 27th Aug, 2016 in which landless and small/marginal farm holding villagers interacted with experts and activists of 3 NGOs, PHSS Foundation, Lucknow, Vivekanad Yuva kalyan kendra, Padrauna,& Prithvipur Abhyuday Samiti, Lucknow. The villagers shared their problems with the visiting team and they were motivated by us to evolve a village samiti to deliberate ,plan and manage the problems involving experts, activists and district administration. We encouraged a lot with their response and motivational level.

(ii) There was a public meeting at village Bindwalia (Mushar tola) Block Padrauna, Distt kushinagar on 26 Aug,2016 in which landless and small/marginal farm holding villagers interacted with experts and activists of 3 NGOs, PHSS Foundation, Lucknow, Vivekanad Yuva kalyan kendra, Padrauna,& Prithvipur Abhyuday Samiti, Lucknow. The villagers shared their problems with the visiting team and they were motivated by us to evolve a village samiti to deliberate ,plan and manage the problems involving experts, activists and district administration. About 70% active participants were women of a tribal community, named Mushar and located in Uttar Pradesh in Kushinagar District. ,in addition to

Bihar and other eastern states of India. We encouraged a lot with their response and organizational skills.